10th Hindi Passing Package - 2022

ಪುಟ 08, ಅಂಕ 80

ಮೊದಲಿನ ಪ್ರಶ್ನೆಪತ್ರಿಕೆಗಳಿಂದ ಆಯ್ದ ಅತೀ ಸಂಭವನೀಯ ಪ್ರಶ್ನೋತ್ತರಗಳು

: एक वाक्य में उत्तर :

***भारत माँ के हाथों में क्या है ?**

उ : भारत माता के एक हाथ में 'न्याय का पताका' और दूसरे हाथ में 'ज्ञान का दीप' है।

***भारत भूमि के अंदर क्या-क्या भरा हुआ है ?**

उ : भारत भूमि के अंदर " खनिजों का व्यापक धन " भरा हुआ है।

***जग के रूप बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते है ?**

उ : जग के रूप बदलने के लिए कवि " भारत माँ " से निवेदन करते है।

***लेखक चीज़ें खरीदने कहाँ गये थे ?**

उ : लेखक चीज़ें खरीदने चौक गये थे।

***लेखक को क्या नज़र आया ?**

उ : लेखक को दूकान पर बहुत अच्छे रंगदार, गुलाबी सेब सजे हुए नज़र आया।

***लेखक का जी क्यों ललचा उठा ?**

उ : रंगदार गुलाबी सेबों को देखकर लेखक का जी ललचा उठा।

***स्वाद में सेब किससे बढ़कर नहीं है ?**

उ : स्वाद में सेब आम से बढ़कर नहीं है।

***रोज एक सेब खाने से किनकी ज़रूरत नहीं होगी ?**

उ : रोज एक सेब खाने से डॉक्टरों की ज़रूरत नहीं होगी।

***आज की दुनिया कैसी है?**

उ : आज की दुनिया "विचित्र और नवीन" है।

***मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है ?**

उ : मानव के हुक्म पर " पवन का ताप" चढ़ता और उतरता है।

***परमाणु किसे देख कर काँपते है?**

उ : परमाणु " मानव के करों" को देखकर काँपते है।

***आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है ?**

उ : आधुनिक पुरुष ने " प्रकृति " पर विजय पायी है।

***आज मनुज का यान कहाँ जा रहा है ?**

उ : आज मनुज का यान " गगन " में जा रहा है।

***अब्दुल कलामजी का जन्म कहाँ हुआ ?**

उ : अब्दुल कलामजी का जन्म तमिलनाडू के रामेश्वरम में हुआ था।

***अब्दुल कलामजी बचपन में किस घर में रहते थे ?**

उ : अब्दुल कलामजी बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

***अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी ?**

उ : अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु 'पुस्तक ' थी।

***बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे?**

उ : बसंत और प्रताप 'भीखू अहीर' के घर में रहते थे।

***पं.राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण क्या है ?**

उ : पं.राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण ईमानदारी है।

***विछेन्द्री पाल को कौन-सा गौरव प्राप्त हुआ है ?**

उ : बिछेन्द्री पाल को एवरेस्ट की चोटी पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

***कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेन्द्री से क्या कहा ?**

उ : कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेन्द्री से कहा कि 'देश को तुम पर गर्व है'।

***बिछेन्द्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन-सा पदक देकर सम्मान किया ?**

उ : बछेन्द्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने प्रति ष्ठित 'स्वर्ण पदक' देकर सम्मान किया।

: अनुरूपता :

*केला : पीला रंग : : सेब : **गुलाबीरंग**

*नागपुर : संतरा : : कश्मीर : **सेब** *कपडा : नापना : : टोमाटो : **तोलना**

*गांधीजी : राष्ट्रपिता :: अब्दुल कलाम : **राष्ट्रपति**

*जलालुद्दीन : जीजा :: शमसुद्दीन : **चचेरे भाई**

*कंप्यूटर : संगणक यंत्र : : इंटरनेट : **अंतर्जाल**

*कर्नल : खुल्लर : : मेजर : **कुमार**

*पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष : तेनजिंग नोर्गे : : पहली एवरेस्टपर्वतारोही महिला : **जुंके ताबी**

*बसवण्णा : वचनकार : : कनकदास : **भक्त कवि**

*बलभद्र : बलराम : : कान्हा : **कृष्ण**

*बलबीर : बलराम : : जसोदा : **यशोदा**

*कर्नाटक : चंदन का आगार : : बेंगलूरु : **सिलिकॉन सिटी**

*बेलूरु : शिल्पकला : : गोलगुंबज़ : **वास्तुकला**

*सेंट फिलोमिना : चर्च : : जगनमोहन राजमहल : **आर्ट गैलरी**

दो - तीन - चार वाक्यों में उत्तर

***भारत माँ के प्रकृति-सौंदर्य का वर्णन कीजिए।**

-भारत में हरे-भरे खेत सुन्दर है।

-फल-फूलों से भरा हुआ वन और उपवन है।

-भारत के भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन है।

-मुक्त हस्त से भारत माँ सभी को सुख-संपत्ति, धन-धाम बाँट रही है।

***मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?**

-भारत माता के एक हाथ में न्याय का पताका है।

-दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है।

***आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है ?**

उ : आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन के बारे में विचार किया जाता है।

***दूकानदार ने लेखक से क्या कहा ?**

उ : "बाबूजी, बड़े मज़ेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के। आप लेजाए, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी"।

***दूकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा ?**

उ : दूकानदार ने तराजू उठायी और अपने नौकर से कहा "सुनो, आधा सेर कश्मीरी सेब निकाल ला। चुनकर लाना"।

***सेब की हालत के बारे में लिखिए।**

-पहला सेब सड़ाहुआ था। एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था।

-दूसरा सेब आधा सड़ा हुआ था।

-तीसरा सेब एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था।

-और चौथा सेब में काला सुराख था जैसे अक्सर बेरों में होता है।

***'कश्मीरी सेब' पाठ से क्या सीख मिलती है ?**

-अगर खरीदारी करते समय सावधानी नहीं बरतें तो धोखा खाने की संभावना होती है।

-साथ ही विटामिन और प्रोटीन के बारे में जानकारी मिलती है।

***लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये ?**

-लेखिका गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायि।

-फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया।

-कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुंह में एक बूंद पानी टपकाया जा सका

-इस तरह लेखिका ने गिल्लू के प्राण बचाये।

***लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?**

-लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से पर्दे चढ़ जाता और उसी तेजी से उतरता।

-उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता जब तक लेखिका उसे पकड़ ना ले।

***महादेवी वर्मा को चौकाने के लिए गिल्लू कहाँ - कहाँ छिप जाता था ?**

उ : महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए कभी गिल्लू फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तों में छिप जाता था।

***गिल्लू के कार्य कलाप के बारे में लिखिए।**

-गिल्लू अपने घर में झूलता रहता था।

-गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से परदे चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता।

-उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे पकड़ न ले।

-महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता,

-कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजूही की पत्तों में छिप जाता।

***गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए।**

-गिलहरियों की जीवन अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती,

-अतः गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया।

-दिन भर गिल्लू न कुछ खाया, न बाहर गया।

-पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने हीटर जलाया

-उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया।

-परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ वह चिर निद्रा में सो गया।

***'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' इस पंक्ति का आशय समझाइए ?**

उ : उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि, आज मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है और प्रकृति पर मानव सवार है एवं प्रकृति को अपने नियंत्रण में रखा है।

***दिनकरजी के अनुसार मानव-मानव के सही परिचय क्या है ?**

-दिनकरजी के अनुसार मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना।

-एक मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़ना।

-आपस की दूरी को मिटाए वही मानव कहलाने का अधिकारी है।

-उसकी सही पहचान बुध्दि या तर्क नहीं परंतु मानवीयता है।

***अब्दुलकलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखिए।**

-अब्दुल कलामजी के पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे।

-सभी ऐशो-आरमवाली चीज़ों से दूर रहते थे।

-घर में सभी आवश्यक चीज़े समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं।

-इस लिए अब्दुल कलाम जी का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।

***आशियम्माजी अब्दुल कलाम को खाने में क्या-क्या देती थी ?**

उ : आशियम्माजी अब्दुल कलामजी के सामने केले का पत्ता बिछातीं और फिर उस पर चावल एवं सुगंधितस्वादिष्ट सांबार डालती , साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताज़ी चटनी भी होती।

***जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में क्या कहते थे ?**

-'जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतरब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो,

-जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म - पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता'।

***प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया ?**

उ : प्रताप राजकिशोर के घर आया क्योंकि, उसके बड़े भाई बसंत ने राजकिशोर के चिल्लर वापसकरने के लिए कहा था। वह पं. राजकिशोर के साढ़े चौदह (14 1/2) आने देने के लिए उनके घरआया था।

***बसंत ईमानदार लडका है। कैसे ?**

-बसंत ईमानदार लडका है क्योंकि, बसंत मेहनत से जीना चाहता था।

-इस कारण वह बाज़ार में चीजे बेचता है।

-मोटर दुर्घटना में उसकी हड्डी टूटने पर भी वह अपने भाई प्रताप को पं. राजकिशोर के घर उनके चिल्लर पैसे देने भेजता है।

-पं. राजकिशोर बसंत को दो पैसे दिए तो, बसंत उस पैसे लेने से इनकार करता है।

-क्योंकि वह उसे भीख समझता है, वह भीख लेना नहीं चाहता है।

***राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए।**

-पं. राजकिशोर मजदूरों के नेता थे।

-वे गरीबों के प्रति हमेशा हमदर्दी दिखाते थे।

-इसी कारण वे गरीब बसंत के पास छलनी खरीदा।

-उसके भरोसे पर ही एक नोट उसके हाथ में दिया था।

-प्रताप द्वारा मोटर दुर्घटना के विषय मालूम होने पर वे सीधे अहीर टीले में रहने वाले घर जाता है।

-वहाँ डॉक्टर को भी बुलाता है और उसे चिकित्सा करवाता है।

-इससे पता चलता है कि पं.राजकिशोर के मानवीयता अत्यंत उच्चस्थान में है।

***व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है ?**

-व्यापार में इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते है।

-कोई भी बिल भर सकते है।

-बैंकिंग में इंटरनेट द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

***ई-गवर्नेस क्या है ?**

-ई- गवर्नेस द्वारा सरकार के सभी काम काज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश को यतावत लोगों को सूचित किया जाता है।

-इससे प्रशासन पारदर्शि बन सकता है।

***संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ?**

उ : संचार व सूचना क्षेत्र में इंटर नेट का बड़ा महत्व है। इसके द्वारा दूर के रहनेवाले रिश्तेदार या दोस्तों को कोई विचार, विषय, स्थिरचित्र,वीडियो चित्र हो आसानी से कम खर्चे में भेजी जाती है।

***वीडियो कांफ्रेंस के बारे में लिखिए।**

उ : वीडियो कान्फ्रेंस (काल्पनिक सभागार) में एक जगह बैठ कर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8 - 10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं। एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहने वाले लोगों के साथ विचार विनिमय कर सकते हैं।

***'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे ?**

-जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है।

-सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं, जैसे - फेसबुक आरकूट, ट्विट्टर, लिंक्डइन आदि।

-इन साइटों के कारण देश - विदेशों के लोगों की रहन-सहन , वेश-भूषा, खान - पाना के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्र अति शीघ्र जानकारी मिलती है।

***लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था ?**

उ : लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में लिखा गया था कि, ''हम लोग इस शहर में एक ईमानदारसम्मेलन कर रहे है। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार है। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन काउद्घाटन करें। हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदि कीउत्तम व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदरों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

***लेखक ने मंत्री को क्या समझाया ?**

उ : स्वगत समिति के मंत्री पुलीस को बुलाने के लिए कहे तो लेखक ने मंत्री को समझाया कि ' ऐसेहरगिज मत करिये। ईमानदारों के सम्मेलन में पुलीस ईमानदारों की तलाशी ले, यह बड़ी अशोभनीय बातहोगी। फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।'

***चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने क्या सुझाव दिया ?**

उ : चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने सुझाव दिया कि, 'देखिए चप्पलें एक जगह नही उतारनी चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिए तो दूसरी दस फूट की दूरी पर। तब चप्पले चोरी नही होती। एकही जगह जोड़ी होगी, तो कोई भी पहन लेगा। मैंने ऐसा ही किया था।

***लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया ?**

उ : सम्मेलन में लेखक के सभी सामान चोरी हो गया था। ताला तक चुरा लिया गया था। अब वे बचे थे। अगर वे वही रुके तो उन्हीं को चुरा लिया जा सकता था। यह सोचकर लेखक ने कमरा छोड़कर जानेका निर्णय लिया।

***मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है ?**

उ : रेलवे स्टेशन पर जब उनको फूल मालाएँ पहनाई गयी, उन फूलों को बेचने के लिए माली को ढूंढते है। कार्यक्रम के आयोजन कर्ता लेखक को पहले दर्जे का किरायादे तो, वे दूसरी दर्जे में सफर करके डेढ सौ (150) रुपय बचा लेते है। इन सब घटनाओं में मुख्य अतिथि की बेईमानी दिखाई देती है।

***सम्मेलन में लेखक के कौन- से अनुभव हुए ? संक्षेप में लिखिए।**

-लेखक को ईमानदारों के सम्मेलन में चप्पलें चोरी हो गयी थी,

-दूसरे ईमानदार डेलिगेट उनके चप्पलें पहनकर उनको ही सुझाव देने लगे थे।

-उनके कमरे में कंबल और चादर चोरी हो गया था।

-लेखक का धूप का चश्मा भी चोरी हो गया था।

-एक सज्जन उनके चश्मा पहनकर उनको ही समझाने लगे थे।

-अंतमें हम यह कह सकते है कि, सम्मेलन में लेखक का अनुभव बहुत बुरा था।

***मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है ?**

उ : मनुष्य को समय नष्ट ना करने से, आलस और बहाना बनाना छोड़कर मेहनत से काम करने से सुख की प्राप्ति होति है।

***समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?**

उ : समय बहुत अनमोल है।उसका महत्व धन से भी ज्यादा है। आलस्य को त्यागकर काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जाने न देने से और समय को सच्चा साथी बनालेने से समय का सदुपयोग कर सकते है।

***'समय की पहचान' कविता के अंतिम चार पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते है ?**

उ : कवि सियारामशरण गुप्तजी कहते है कि, जो काम करते है उसे मन लगाकर करो, दिल में विश्वास रखो, संदेह को दूर करो। ऐसा अच्छा समय कब तुम्हे मिलता है। अब का समय खोकर आगे बहुत पछताओगे।

***बिछेन्द्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए।**

-बिछेन्द्री का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था।

-उनके माता का नाम हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह था।

-वे अपने माता पिता के पाँच संतानों में तीसरी संतान थी।

-बिछेन्द्रि के बड़े भाई को पहाड़ों पर जाना अच्छा लगता था।

-इसी जज़्बेसे विछेन्द्री पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लेना शुरूकर दिया।

***बिछेन्द्री का बचपन कैसे बीता ?**

-बिछेन्द्री का बचपन बहुत मुश्किल में बीता।

-बचपन में बिछेन्द्री रोज़ 5 किलोमीटर पैदल चलकरस्कूल जाना पड़ता था।

-सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी।

-इसी तरह उन्होंने संस्कृत में एम.ए तथा बी.एड तक की शिक्षा प्राप्त की।

***एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेन्द्री ने क्या किया?**

-एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेन्ट्री ने फावड़े से पहले बर्फ की खुदाई कर अपने आपको सुरक्षित रूप से स्थिर किया।

-इसके बाद अपने घुटनों के बल बैठी।

-बर्फ पर अपने माथे को लगाकर उन्होंनेसागरमाथे के ताज का चुंबन किया।

-बिना उठे ही हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकालकर लाल कपड़े में लपेटा और छोटी - सी पूजा करके इनको बर्फ में दबा दिया।

***बिछेन्द्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?**

उ : बिछेन्द्री ने पहाड़ पर चढ़ने के लिए अनेक पहाडों पर चढ़कर अपने लक्ष्य को ताज़ी रखी। बिछेन्द्री नेएवरेस्ट चढ़ने के दिन सुबह चार बजे उठी , बर्फ पिघलाई और चाय बनाई। कुछ बिस्कुट और आधीचॉकलेट का हल्का नाश्ता करने के पश्चात वे लगभग साढ़े पाँच बजे अपने तंबू से निकल पड़ी।

***'महिला की साहस गाथा' पाठ से क्या संदेश मिलता है?**

उ : साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों कासामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीख सकते है। इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारीभी प्राप्त करते है। इस पाठ से जान सकते है कि मेहनत का फल अच्छा होता है।'

***कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता ?**

उ : तुम काला हो और यशोदा तुम्हे जन्म नहीं दिया है बल्कि मोलकर लिया है। क्योंकि यशोदा और नंद गोरे है, तू काला है। इस कारण सभी दोस्त चुटकी दे-देकर हँसते है। इस कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता था।

***बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है ?**

उ : तुम्हारी माता यशोदा नही है क्योंकि यशोदा और नंद तो गोरे है , तुम काले हो। तुम्हे यशोदा जन्म नही दिया है बल्कि मोल लिया है।

***कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है ?**

उ : क्योंकि, यशोदा हमेशा कृष्ण को ही मारती है, और भाई बलराम पर कभी गुस्सा नहीं करती और मारती भी नहीं।

***बालकृष्ण अपनी माता से क्या-क्या शिकायत करता है ?**

उ : बलराम मुझे काला कह कर पुकारता है। मुझे मोल लिया है ऐसा कहता है और सब ग्वाल दोस्त मुझे चुटकी दे देकर चिढ़ाता है।

***यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है ?**

उ : बलराम जन्म से ही चुगलखोर है और मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ कि तू मेरा बेटा है और मैं ही तेरी माँ हूँ।

***कर्नाटक के किन साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है ?**

उ : कर्नाटक के 8 साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है जैसे - कुवेंपु, द.रा.बेन्द्र, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ. गोकाक, यू.आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड और चन्द्रशेखर कंबार।

***बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग है ?**

उ : कर्नाटक के प्रमुख नदियों को बाँध बनाए गए है। इनसे हज़ारों एकड ज़मीन सींची जाती है। इन नदियों के जलाशयों की सहायता से ऊर्जा उत्पादन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। जिनसे राज्य को ऊर्जा प्राप्त होती है।

***बेंगलूर में कौन-कौन सी बृहत संस्थाएँ है ?**

उ : बेंगलूर में भारतीय विज्ञान संस्थान, एच.ए.एल, एच.एम.टी, आइ.टी.आइ. बी.एच.ई.एल आदि बृहत संस्थाएं है।

***कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।**

-प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से संवारकर सुन्दर और समृद्ध बनाया है।

-कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है।

-पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है।

-इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिम घाट कहते है।

-इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्री कहलाता है।

-दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान है।

***कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए।**

-कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है।

-बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लू के मंदिरों की शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है।

-बेलूर, हलेबीडू, सोमनाथपुर के मंदिरों की मूर्तियाँ रामायण, महाभारत और पुराणों कीकहानियाँ सुनाती है।

-श्रवणबेलगोल में 57 फुट ऊंची गोमटेश्वर की शिला मूर्ति दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है।

***कर्नाटक के साहित्यकारों की कन्नड भाषा तथा संस्कृति को क्या देन है ?**

-कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलाया है।

-वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। --

-अक्कमहादेवी, अल्लम प्रभु, सर्वज्ञ जैसे संतों ने अपने वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी।

-आधुनिक काल के डॉ. चन्द्रशेखर कंबार, गिरीष कार्नाड आदि प्रसिद्ध साहित्यकार है।

-इस तरह कन्नड भाषा तथा संस्कृति कर्नाटक के लिए गौरव है।

***कविता पूर्ण कीजिए :-**

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।
कुछ किए बिना ही जय जय कार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी **हार नहीं होती।**

दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए :

"मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकाल अंग, तुलसी सहित विवेक॥"

भावार्थ : मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। जो खा पीकर शारीर के अंगों का पोषण करता है। उसी तरह मुखिया अपने विवेक से काम करके प्रतिफल सभी में बाँटना चाहिए।

"तुलसी साथी विपति के, विद्या विनय विवेक।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसों एक॥"

भावार्थ: जब भी मनुष्य पर विपति आती है तब विद्या,विनय,विवेक,उसका साथ निभाते है। राम पर भरोसा करने से मनुष्य साहसी,सुकृतवान और सत्यवान बनता है

"राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार॥"

भावार्थ : जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा बाहर प्रकाश फैलता है उसी तरह राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है।

"जड़ चेतन, गुण-दोषमय, विस्व कीन्ह करतार।
संत-हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार॥"

भावार्थ : सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड़-चेतन और गुण-दोषों को मिलाकर बनाया है। हंस रूपी संत लोग पानी रूपी विकारों को छोड़कर दूध रूपी अछे गुणों को स्वीकार करते हैं।

"दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण॥

भावार्थ : दया धर्म का मूल है और अभिमान पाप का मूल है। इसलिए जब तक मनुष्य के शरीर में प्राण हैं,तब तक मानव को अपना अभिमान छोड़कर दयालु बने रहना चाहिए।

पूरक वाचन - शनी : सबसे सुंदर ग्रह, सत्य की महिमा

***सौर-मंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन सा है ?**

उ : सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति है।

***सौर-मंडल में शनि ग्रह का स्थान क्या है ?**

उ : शनि ग्रह सौर-मंडल का दूसरा बड़ा स्थान है।

***पृथ्वी और सूर्य में कितना फासला है ?**

उ : पृथ्वी और सूर्य में करीब 15 करोड़ किलोमीटर का फासला है।

***शनि किसका पुत्र है ?** **उ :** शनि ' सूर्य ' का पुत्र है।

***'शनैःचर' का अर्थ क्या है ?**

उ : शनैःचर का अर्थ है–'धीमी गति ' से चलनेवाला।

***शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?**

उ : बृहस्पति की तरह शनि का वायुमंडल भी हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है।

***शनि सौरमंडल का सबसे सुन्दर ग्रह है। कैसे ?**

उ : शनि के चारों ओर वलय (गोल) है। शनि के इन वलयों या कंकणों ने इस ग्रह को सौर - मंडल का सबसे सुन्दर एवं मनोहर ग्रह बनाया है। वस्तुतः शनि सौर - मंडल का सर्वाधिक सुन्दर ग्रह है।

***सत्य क्या होता है ? उसका रूप कैसे होता है।**

उ : 'सत्य' बहुत भोला-भाला, बहुत ही सीधा-सादा, जो कुछ आँखों से देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए | बोल दिया - यही सत्य है। सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है , आत्मा की वाणी है।

***झूठ का सहारा लेते है तो क्या-क्या सहना पड़ता है ?**

उ : झूठ बोलनेवाले अपने एक झूठ साबित करने के लिए हज़ारों झूठ बोलने पड़ते है, और कहीं पोलखुली, तो मुँह काला करना पड़ता है, अपमानित होना पड़ता है।

***शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है ?**

उ : "सत्यम ब्रूयात् , प्रियं ब्रूयात् , नब्रूयात्सत्यमप्रियम्" अर्थात् सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।

***महात्मा गाँधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कथन है ?**

उ : महात्मा गाँधि का कथन है कि, सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदर किया जाता है, उतने ही फ्ल उसमें लगते है। उनका अंत नहीं होता। सत्य बोलने की आदत बचपन से ही डालनी चाहिए।

***झूठ बोलनेवालों की हालत कैसी होती है ?**

उ : कभी-कभी झूठ बोल देने से कुछ क्षणिक लाभ अवश्य होता है, पर इससे अधिक हानी ही होतीहै। क्षणिक लाभ विकास के मार्ग के लिए बाधा बन जाता है। व्यक्तित्व कुंठित होता है। झूठ बोलनेवालों सेलोगों का विश्वास उठ जाता है। उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाते है।

संधि

1.दीर्घ संधि : दो सवर्ण स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते है। **आ, ई, ऊ**

उदा : विद्यालय,संग्रहालय, गिरीश,महींद्र, लघूत्तर,वधूत्सव, पितृण आदि।

2.गुण संधि : दो भिन्नवर्ण के स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते है। **ए, ओ, आर**

उदा : परमेश्वर,महेंद्र, वार्षिकोत्सव,महोत्सव, महर्षि,देवर्षि आदि।

3.वृद्धि संधि : दो भिन्नवर्ण के स्वर मिलकर ऐ,औ हो जाते है। **ऐ,औ**

उदा : एकैक,सदैव, वनौषध,महौषध आदि।

4.यण संधि : दो भिन्नवर्ण के स्वर मिलकर य,व,र आ जाते है। **य,व,र**

उदा : अत्यदिक,इत्यादि, मन्वंतर,स्वागत, पित्रनुमति,पित्रुपदेश आदि।

5.अयादि संधि : दो भिन्नवर्ण के स्वर मिलकर अय,आय और अव,आव स्वतंत्र रूप से आ जाते है। **य,व,**

उदा : नयन,नायिका, भवन,पावन आदि।

विराम चिह्न :

अल्प विराम चिह्न ….. …………….. (,)
अर्ध विराम चिह्न …………………. (;)
पूर्ण विराम चिह्न ………………..…..(।)
प्रश्न चिह्न …………………………..(?)
भाववाचक विस्मयादिबोधक चिह्न …..(!)
योजक चिह्न …..…………………....(-)
उद्धरण चिह्न ………..……..(" ") (' ')
कोष्ठक चिह्न …..………………...( )
विवरण चिह्न …………………..(:-) (:)

***तीन दिन की छुट्टी मांगते हुए अपने कक्षा शिक्षक/ प्रधानाध्यापक को एक पत्र लिखिए।**

प्रेषक दिनांक:02/02/2022

अ.ब.क.
दसवीं कक्षा
सरकारी प्रौढ़ शाला
कारिगनूरु होसपेटे।

सेवा में,
कक्षा शिक्षक / प्रधनाध्यापक
सरकारी प्रौढ़ शाला
कारिगनूरु होसपेटे।

मान्यवर,

विषय: तीन दिन की छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र।

सविनय निवेदन है कि मेरे भाई का शादी दिनांक 03/02/2022 को होनेवाला है। इसलिए मैं मैसूर जारही/रहा हूँ। दिनांक 02/02/2022 से 04/02/2022 तक मैं स्कूल में उपस्थित नहीं हो सकूँगी /सकूँगा। कृपया इन 3 दिनों के छुट्टी दीजिए।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी छात्र / छात्रा
अ.ब.क.

निबंध – 01 पर्यावरण की रक्षा

भूमिका : जैसे-जैसे विज्ञान की प्रगति होती जा रही है, वैसे-वैसे पर्यावरण के प्रदूषण की समस्या बढ़ती जा रही है। मनुष्य ने अपने भौतिक सुख प्राप्ति केलिए अनेक छोटे-बड़े कारखानों को स्थापित किया है। इन कारखानों से वायुमंडलदूषित हो गया है। प्रदूषण का तात्पर्य है - "दूषित होना"।

प्रदूषण के प्रकार : यह प्रदूषण मुख्यतः चार प्रकार का होता है- वायु प्रदूषण, जलप्रदूषण,ध्वनि प्रदूषण और भूमि(परिसर) प्रदूषण।

वायु प्रदूषण:- कारखानों से विषैली धुंआ निकलता रहता है, इससे वायुमंडल दूषित हो जाता है। सड़कों पर चलनेवाले वाहन भी काफी धुआँ छोड़ते हैं और वायु प्रदूषण फैलाते हैं। इसको रोकने के लिए अधिकाधिक वृक्ष लगाना चाहिए।

जल प्रदूषण:- जल प्रदूषण का मुख्य कारण है नदियों में कल-कारखानों के प्रदूषित जल का बहाया जाना। प्रदूषित जल अनेक रोगों को जन्म देता है। इसलिए कारखानों में 'वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना चाहिए।

ध्वनि प्रदूषण:-ध्वनि प्रदूषण से हृदयरोग एवं रक्तपात की बीमारियाँ बढ़ती हैं। वाहनों के शोरको कम किया जाना आवश्यक है। भूमि प्रदूषण से प्राकृतिक समतोलन पर असर पड़ता है।

उपसंहार: इसके लिए जनसंख्या नियंत्रण सर्वप्रथम आवश्यक है। हमें प्रदूषण को दूर करने के लिए प्रयत्न करना चाहिए।

निबंध - 02 इंटरनेट

इंटरनेट का अर्थ : इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट का मदद : व्यापार में इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते है। कोई भी बिल भर सकते है। बैंकिंग में इंटरनेट द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

ई-गवर्नेस से उपयोग : ई- गवर्नेस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख,सरकारी आदेश को यतावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शि बन सकता है।

वीडियो कानफरेनस से उपयोग : वीडियो कान्फ्रेंस (काल्पनिक सभागार) में एक जगह बैठ कर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं। एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहने वाले लोगों के साथ विचार विनिमय कर सकते हैं।

'सोशल नेटवर्किंग' के उपयोग : सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं, जैसे - फेसबुक आरकूट, ट्विट्टर ,लिंक्डइन आदि। इन साइटों के कारण देश - विदेशों के लोगों की रहन-सहन , वेश-भूषा, खान - पान के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्र अति शीघ्र जानकारी मिलती है।

हानियां : जैसे-पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग आदि बढ़ रही है। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से बच्चे और युव पीढी फँसे हुए है। इससे वक्त का दुरुपयोग होता है। बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकरी प्राप्त करते है।

उपसंहार: इंटरनेट आज हमारे जीवन के अत्यावश्यक अंग बन गया है। बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों ' तक सभी को इंटरनेट की आवश्यकता है।

निबंध -03 पर्यटन का महत्व

विषय प्रवेश:पर्यटन को यात्रा भी कहते हैं। मानव स्वभाव से ही जिज्ञासु होता है। वास्तव में मानव की प्रगति का इतिहास उसकी जिज्ञासु प्रवृत्ति का ही परिणाम है।

पर्यटन के उद्योग: आज पर्यटन एक राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय उद्योग के रूप में विकसित हो चुका है। इस उद्योग के प्रसार के लिए देश-विदेश में पर्यटन मंत्रालय बनाये गये हैं।

विकास का सूत्रधार: पर्यटन मंत्रालय, भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंध संस्थान, राष्ट्रीय जलक्रीड़ा संस्थान,राष्ट्रीय होटल प्रबंध और कैटरिंग टेक्नोलॉजी परिषद जैसे स्वायत्त संस्थाओं का भी प्रभाव वहन करता है।

पर्यटन से लाभ:पर्यटन से अनेक लाभ हैं-मानव का अनुभव बढ़ता है। ज्ञान-विज्ञान में महती वृद्धि होती है।औद्योगिक और व्यवसायिक उन्नति होती है।

पर्यटन एक शौक: देशाटन-शौक के अनेक प्रकार है। उनमें विभिन्न सांस्कृतिक स्थलों को देखना। दर्शनीय स्थानों को देखना। प्राकृतिक सौदर्यों को आस्वादन करना। देश-विदेशों में घूमना-आदि।

उपसंहार: देशाटन हमारा बहुत बड़ा शिक्षक है। इसके द्वारा हमको अनेक प्रकार की प्रत्यक्ष जानकारी मिलती है। देशाटन द्वारा हमारा आलस्य दूर होता है और हमको नई स्फूर्ति मिलती है।

समास

अव्ययीभाव समास : समस्त पद अव्यय रूप में होता है।
उदा : आजन्म,भरपेट,बेखटके,यथासंभव,अनजाने आदि।

कर्मधारय समास : इसमें उपमेय-उपमान का संबंध होता है।
उदा : पीतांबर,कनकलता,चंद्रमुख,करकमल,सद्धर्म आदि।

तत्पुरुष समास : उत्तर पद प्रधान होकर, दो शब्दों के बीच का परसर्ग लोप हो जाता है।
उदा : **स्वर्गप्राप्त**- स्वर्ग **को** प्राप्त , **अकालपीडित**-अकाल **से** पीडित, **रेखांकित**-रेखा **के द्वारा** अंकित, **देशप्रेम**- देश **के लिए** प्रेम, **प्रेमसागर**-प्रेम **का** सागर, **दानवीर**-दान **में** वीर

द्विगु समास : पहला पद संख्यावाची होता है।
उदा : त्रीधारा,पंचवटी,चौराह आदि।

द्वंद्व समास : दोनो पद प्रधान होता है.और योजक चिह्न का प्रयोग हो।
उदा : सीता - राम, सुबह - शाम, इधर - उधर, भला - बुरा

बहुव्रीहि समास : समस्तपद में कोईभी पद प्रधान ना हो, अन्य कोई पद प्रधान होता है।
उदा : घनश्याम - घन के समान श्याम है जो (कृष्ण)
लंबोदर- लंबा उदर जिसका (गणेश) आदि।

अनुवाद

गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज थी। अमीर लोग तो उसका हलवा ही खाते थे; मगर अब पता चला है कि गाजर में भी बहुत विटामिन है।

ಗಜ್ಜರಿಯು ಸಹ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತು ವಾಗಿತ್ತು. ಶ್ರೀಮಂತ ಜನರು ಅದರ ಹಲ್ವಾ ಮಾತ್ರ ತಿನ್ನುತ್ತಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಈಗ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಅರಿವಾಗಿದೆ, ಗಜ್ಜರಿಯಲ್ಲಿಯೂ ಕೂಡ ತುಂಬಾ ವಿಟಮಿನ್ ಇದೆ ಎಂದು.

गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती। अतः गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया। दिन भर उसने न कुछ खाया, न वह बाहर गया।

ಅಳಿಲಿನ ಜೀವಿತಾವಧಿಯು ಎರಡು ವರ್ಷಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಇರುವುದಿಲ್ಲ. ಹಾಗೂ ಅದರ ಜೀವನದ ಅಂತಿಮ ಯಾತ್ರೆಯ ಕೊನೆ ಬಂದೇಬಿಟ್ಟಿತು. ದಿನವಿಡೀ ಅದು ಏನನ್ನೂ ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ, ಹಾಗೂ ಹೊರಗಡೆಯೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

मेरे पिता आडंबरहीना व्यक्ति थे और सभी अनावश्यक एवं ऐशो-आरामवाली चीजों से दूर रहते थे। पर घर में सभी आवश्यक चीजें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं।

ನನ್ನ ತಂದೆಯವರು ಆಡಂಬರ ಹೀನ ವ್ಯಕ್ತಿಯಾಗಿದ್ದರು. ಮತ್ತು ಅನಾವಶ್ಯಕ ಹಾಗೂ ಸುಖ–ಆರಾಮದಾಯಕ ವಸ್ತುಗಳಿಂದ ದೂರ ಇರುತ್ತಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲ ಅವಶ್ಯಕ ವಸ್ತುಗಳು ಸುಲಭವಾಗಿ ಉಪಲಬ್ಧವಾಗಿದ್ದವು.

दूसरे जिस व्यक्ति का मेरे बाल-जीवन पर गहरा असर पड़ा, वह मेरे चचेरे भाई शमसुद्दीन थे। वह रामेश्वरम में अखबारों के एकमात्र वितरक थे।

ನನ್ನ ಬಾಲ್ಯಜೀವನದ ಮೇಲೆ ಆಳವಾಗಿ ಪ್ರಭಾವ ಬೀರಿದ ಎರಡನೇ ವ್ಯಕ್ತಿ, ಅವರು ನನ್ನ ಸಹೋದರ ಸಂಬಂಧಿ ತಮ್ಮ ಶಂಸುದ್ದೀನ್. ಅವರು ರಾಮೇಶ್ವರದಲ್ಲಿ ದಿನಪತ್ರಿಕೆ ಯನ್ನು ವಿತರಿಸುವ ಏಕಮಾತ್ರ ವಿತರಕ ರಾಗಿದ್ದರು.

इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इससे दुकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है।

ಇಂಟರ್ನೆಟ್ ಸಹಾಯದಿಂದ ಮನೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಕುಳಿತು ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಬಹುದು. ಯಾವುದಾದರೂ ಬಿಲ್ ಪಾವತಿಸಬಹುದು. ಇದರಿಂದ ಅಂಗಡಿಗೆ ಹೋಗುವ ಮತ್ತು ಗಂಟೆಗಟ್ಟಲೆ ಸರತಿ ಸಾಲಿನಲ್ಲಿ ನಿಲ್ಲುವ ಸಮಯ ಉಳಿಯ ಬಹುದು.

स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ। लगभग दस बड़ी फूल-मालाएँ पहनायी गयीं। सोचा, आस-पास कोई माली होता तो फूल-मालाएँ भी बेच लेता।

ಸ್ಟೇಷನ್ ಅಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಅದ್ದೂರಿ ಸ್ವಾಗತವಾಯಿತು. ಅಂದಾಜು ಹತ್ತು ಹೂವಿನ ಹಾರಗಳನ್ನು ನನಗೆ ತೊಡಿಸಿದರು. ಯೋಚಿಸಿದೆ, ಅಕ್ಕ–ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಯಾರಾದರೂ ಹೂತೋಟಿಗ ಇದ್ದರೆ ಹೂ–ಹಾರಗಳನ್ನು ಸಹ ಮಾರಿಬಿಡುತ್ತಿದ್ದೆ.

मुझे होटल के एक बड़े कमरे में ठहराया गया। मेरे कमरे के बायें और सामने दो हाल थे, जिनमें लगभग तीस-पैंतीस प्रतिनिधि ठहरे थे।

ನನಗೆ ಹೋಟೆಲ್‌ನ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಕೋಣೆಯಲ್ಲಿ ತಂಗಿಸಿದರು. ನನ್ನ ಕೋಣೆಯ ಎಡ ಮತ್ತು ಮುಂದಿನ ಭಾಗದಲ್ಲಿ ಎರಡು ದೊಡ್ಡ ಕೋಣೆಗಳಿದ್ದವು.ಅದರಲ್ಲಿ ಅಂದಾಜು 30 ರಿಂದ 35 ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ತಂಗಿದ್ದರು.

बचेंद्री पाल का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था। पिता किशनपाल सिंह और माँ हंसादेई नेगी। इनकी पाँच संतानों में बचेंद्री तीसरी संतान है

ಬಚೇಂದ್ರಿ ಪಾಲ್‌ರವರ ಜನನ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಭಾರತೀಯ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಆಗಿತ್ತು. ತಂದೆ ಕಿಶನ್‌ಪಾಲ್ ಸಿಂಹ ಮತ್ತು ತಾಯಿ ಹಂಸದೇಈ ನೇಗೀ. ಇವರ ಐದು ಸಂತಾನಗಳಲ್ಲಿ ಬಚೇಂದ್ರಿ ಮೂರನೇ ಸಂತಾನ ಆಗಿದ್ದರು.

बचेंद्री को बचपन में रोज पाँच किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था। बाद में पर्वतारोहण-प्रशिक्षण के दौरान उनका कठोर परिश्रम बहुत काम आया। सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी।

ಬಚೇಂದ್ರಿ ಪಾಲ್ ರವರು ಪ್ರತಿದಿನ ಐದು ಕಿಲೋಮೀಟರ್ ಕಾಲ್ನಡಿಗೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು. ನಂತರ ಪರ್ವತರೋಹಣ – ಪ್ರಶಿಕ್ಷಣ ಹಾಗೂ ಅವರ ಕಠೋರ ಪರಿಶ್ರಮ ಬಹಳ ಉಪಯೋಗಕ್ಕೆ ಬಂದಿತು. ಹೊಲಿಗೆ ಕೆಲಸವನ್ನು ಕಲಿತರು ಮತ್ತು ಹೊಲಿಗೆಯಿಂದ ತಮ್ಮ ವಿದ್ಯಾಭ್ಯಾಸದ ಖರ್ಚುಗಳನ್ನು ಭರಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूर है। यहाँ देश-विदेश के लोग आकर बस गए हैं।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ. ಹಾಗೂ ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಆಗಿದೆ. ಇಲ್ಲಿ ದೇಶ–ವಿದೇಶದ ಜನರು ಬಂದು ನೆಲೆಸಿದ್ದಾರೆ.

प्रेरणार्थक क्रिया रूप

धातु	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
लिख	लिखना	लिखाना	लिखवाना
चल	चलना	चलाना	चलवाना
देख	देखना	दिखाना	दिखवाना
भेज	भेजना	भिजाना	भिजवाना
सो	सोना	सुलाना	सुलवाना
धो	धोना	धुलाना	धुलवाना
सी	सीना	सिलाना	सिलवाना
सीख	सीखना	सिखाना	सिखवाना
माँग	माँगना	मँगाना	मँगवाना
बाँट	बाँटना	बँटाना	बँटवाना
जीत	जीतना	जिताना	जितवाना
दे	देना	दिलाना	दिलवाना
सुन	सुनना	सुनाना	सुनवाना
कर	करना	कराना	करवाना
बैठ	बैठना	बिठाना	बिठवाना
दौड	दौडना	दौडाना	दौडवाना
पढ़	पढ़ना	पढ़ाना	पढवाना
खा	खाना	खिलाना	खिलवाना
पी	पीना	पिलाना	पिलवाना

विलोम शब्द :

आवश्यक x अनावश्यक
शिक्षित x अशिक्षित,
अच्छा x बुरा,
गरीब x अमीर,
संदेह x निस्संदेह ,
बेईमान x ईमान ,
हानी x लाभ ,
सहयोग x असहयोग,
निकट x दूर ,
भीतर x बाहर,
उपयोगि x अनुपयोगी,
शाम x सुबह,
खरीदना x बेचना,
बहुत x थोडा,
उपस्थित x अनुपस्थित,
रात x दिन ,
साफ x मैला,
विश्वास x अविश्वास,
पास x दूर ,
ग़म x खुशी
उत्तीर्ण x अनुत्तीर्ण,
चढ़ना x उतरना,
उचित x अनुचित,
सजीव x निर्जीव

कारक :

मैं ने कीले निकाल कर -- कर्ता कारक
गिल्लू को पकड़कर -- कर्म कारक
गिल्लू हाथ से काजू पकडकर – करण कारक
कुछ पाने के लिए -- संप्रदान कारक
झूले से उतरकर -- अपादान कारक
जीवन का प्रथम संबंध -- संबंध कारक
खिड़की की खुली जाली -- संबंध कारक
गमले के चारो और -- संबंध कारक
सुराही पर लेट जाता -- अधिकरण कारक
मुंह में एक बूंद पानी -- अधिकरण कारक
अरे ! गिल्लू क्या हो गया ? -- संबोधन कारक

लिंग

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग		पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
लड़का	लड़की		कवि	कवयित्रि
आदमी	औरत		बालक	बालिका
युवक	युवती		मोर	मोरनी
पुरुष	महिला		हाथी	हथिनी
मालिक	मालकिन		शेर	शेरनी
अध्यापक	अध्यापिका		पुत्र	पुत्री
शिक्षक	शिक्षिका		कुत्ता	कुतिया
बेटा	बेटी		बैल	गाय
पिता	माता		भाई	बहन
छात्र	छात्रा		नर	नारी
लेखक	लेखिका		श्रीमान	श्रीमती

मुहावरे :

*अंगूठा दिखाना - देने से स्पष्ट इनकार करना।
*अंगारे उगलना - क्रोध में कठोर वचन बोलना।
*अपना उल्लू सीधा करना –
काम निकालना / स्वार्थ पूरा करना।
*आग बबूला होना - अत्यंत क्रोधित होना।
*आसमान सिर पर उठाना - शोर करना।
*कमर कसना - तैयार होना।
*खून पसीना एक करना - बहुत मेहनत करना।
*छक्के छुड़ाना - बुरी तरह हराना।
*दाल ना गलना - सफल ना हो ना।

वचन :

चीज़ें – चीज़ ,
फ़ल – फ़ल,
रुपए– रुपया,
रेवड़ी - रेवड़ियाँ ,
पूँछ - पूँछें
पंजा - पंजे
लिफ़ाफ़ा - लिफ़ाफ़े
घोंसला – घोंसलें
व्यापारी - व्यापारिगण,
खिड़की - खिड़कियाँ
रास्ता – रास्ते,
घर- घर,
आँखें – आँख,
दूकान - दूकाने
फूल - फूल
कौआ - कौए
गमला - गमले
कर्मचारी – कर्मचारियाँ,
उंगली - उंगलियाँ
लडकी – लडकियाँ

गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए;-

साहित्य दो प्रकार में दिखाई देता है। शिष्ट साहित्य और जनपद साहित्य ज्ञानी और शास्त्रज्ञ जिस साहित्य का सृजन करते हैं उसे शिष्ट साहित्य कहा जाता है। शिष्ट साहित्य लिखित होता है। जनपदा साहित्य अलिखित होता है। इसकी रक्षा मौखिक परंपरा से होती है। ज्यादातर जनपद साहित्य ग्रामों में जन्म लेते हैं।

क) साहित्य के दो प्रकार कौन-कौन से हैं ?
उ : शिष्ट साहित्य और जनपद साहित्य।

ख) शिष्ट साहित्य का सृजन कैसे होता है ?
उ : ज्ञानी और शास्त्रज्ञ जिस साहित्य का सृजन करते हैं उसे शिष्ट साहित्य कहा जाता है।

ग) जनपद साहित्य क्या है ?
उ : जनपदा साहित्य अलिखित होता है। इसकी रक्षा मौखिक परंपरा से होती है।

घ) जनपद साहित्य का जन्म कहाँ हुआ ?
उ : ज्यादातर जनपद साहित्य ग्रामों में जन्म लेते हैं।